विषय–सूची

प्राचीन भारत का इतिहास

1. **प्राचीन भारतीय इतिहास के स्रोत** 1-10
   - भारत का नामकरण
   - प्राचीन इतिहास के स्रोत
   - विदेशी यात्रियों के विवरण

2. **पाषाण काल एवं प्रागैतिहासिक काल** 11-20
   - मानव का उद्भव एवं विकास
   - प्रागैतिहासिक काल का विभाजन
   - पाषाण काल
   - पुरापाषाण काल
   - मध्य पाषाण काल
   - नवपाषाण काल
   - ताम्रपाषाण काल
   - महापाषाण काल

3. **हड़प्पा/सिन्धु घाटी सभ्यता** 21-31
   - सभ्यता का नामकरण
   - हड़प्पा सभ्यता का काल निर्धारण
   - हड़प्पा सभ्यता का भौगोलिक विस्तार
   - हड़प्पा/सिन्धु घाटी सभ्यता के प्रमुख स्थल
   - सिन्धु सभ्यता का पतन
   - हड़प्पा संस्कृति की नागरिकोत्तर अवस्था

4. **वैदिक संस्कृति** 32-46
   - आर्यों का आगमन
   - वैदिक संस्कृति/काल
   - ऋग्वैदिक काल
   - उत्तरवैदिक काल

5. **जैन और बौद्ध धर्म (छठी सदी ई.पू. के धार्मिक आन्दोलन)** 47-60
   - नवीन धर्मों के उद्भव के कारण
   - जैन धर्म
   - बौद्ध धर्म

6. **महाजनपद, मगध का उत्कर्ष व विदेशी आक्रमण** 61-70
   - महाजनपदों का उदय
   - मगध का उत्कर्ष
   - मगध साम्राज्य के प्रमुख राजवंश
   - विदेशी (ईरानी व यूनानी) आक्रमण

7. **मौर्य वंश के जानकारी के स्रोत** 71-84
   - साहित्यिक साक्ष्य
   - विदेशी विवरण
   - पुरातात्विक साक्ष्य
   - मौर्य साम्राज्य
   - मौर्यकालीन प्रशासनिक व्यवस्था
   - मौर्य साम्राज्य का पतन

8. **मौर्योत्तरकालीन इतिहास के स्रोत** 85-98
   - साहित्यिक स्रोत
   - मौर्योत्तरकाल के प्रमुख राजवंश
   - मौर्योत्तरकाल के प्रमुख स्थानीय शासक
   - मौर्योत्तरकालीन विदेशी राजवंश/शासक
   - मौर्योत्तरकालीन प्रशासनिक व्यवस्था
   - मौर्योत्तरकालीन कला एवं संस्कृति
   - मौर्योत्तरकालीन साहित्य और विधा
   - मौर्योत्तरकालीन विज्ञान और प्रौद्योगिकी

9. **संगम काल (दक्षिण भारत)** 99-107
   - संगम काल
   - आरम्भिक राज्य
   - चोल राज्य
   - चेर राज्य
   - पाण्ड्य राज्य
   - संगमकालीन शासन व्यवस्था
   - संगमकालीन सामाजिक स्थिति
   - संगमकालीन धार्मिक स्थिति
   - संगमकालीन आर्थिक स्थिति
   - संगम साहित्य

10. **गुप्तकाल** 108-123
    - गुप्तकालीन इतिहास के स्रोत
    - विदेशी यात्रियों के विवरण
    - गुप्त वंश के प्रमुख शासक
    - गुप्तकालीन प्रशासनिक व्यवस्था
    - गुप्तकालीन कला एवं स्थापत्य
    - गुप्तकालीन शिक्षा एवं साहित्य
    - गुप्तकालीन विज्ञान और प्रौद्योगिकी
    - गुप्त साम्राज्य का पतन

11. **गुप्तोत्तर काल (पूर्व मध्यकाल)** 124-140
    - गुप्तोत्तर काल में नवीन वंशों का उद्भव
    - मौखरि वंश
    - वल्लभी के मैत्रक वंश
    - गौड वंश
    - तीन साम्राज्यों का काल (8वीं से 10वीं सदी)
    - बंगाल का पाल वंश
    - बंगाल का सेन वंश
    - गुर्जर प्रतिहार वंश
    - राजपूत वंश
    - शाकम्भरी का चौहान वंश
    - कन्नौज का गहड़वाल वंश
    - गुजरात (अन्हिलवाड़) का चालुक्य वंश
    - मालवा का परमार वंश
    - जेजाकभुक्ति का चन्देल वंश
    - उड़ीसा का पूर्वी गंग वंश
    - कश्मीर के राजवंश
    - गुप्तोत्तर काल की प्रशासनिक व्यवस्था
    - गुप्तोत्तर काल की आर्थिक स्थिति
    - गुप्तोत्तर काल की सामाजिक स्थिति
    - गुप्तोत्तर काल की धार्मिक स्थिति
    - गुप्तोत्तर काल में भाषा एवं साहित्य

12. **दक्षिण भारत के साम्राज्य** 141-151
    - दक्षिण भारत के साम्राज्यों का उदय
    - आभीर वंश

– कदम्ब वंश
– वाकाटक वंश
– चालुक्य वंश
– पल्लव वंश
– चोल राजवंश
– दक्षिण भारत के अन्य राजवंश

13. प्राचीन भारत के विविध पहलू 152-159
– राजतन्त्र एवं गणतन्त्र
– शिक्षा एवं साहित्य
– प्रमुख शिक्षा केन्द्र
– धर्म
– विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी
– प्रमुख सम्वत्

मध्यकालीन भारत का इतिहास

14. भारत के अरब–तुर्क आक्रमण 160-166
– अरबों द्वारा सिन्ध पर विजय
– तुर्क आक्रमण

15. दिल्ली सल्तनत 167-191
– गुलाम वंश
– खिलजी वंश (1290-1320 ई.)
– तुगलक वंश (1320-1414 ई.)
– गयासुद्दीन तुगलकशाह (1320-1325 ई.)
– सैय्यद वंश (1414-1451 ई.)
– लोदी वंश (1451-1526 ई.)
– सल्तनतकालीन प्रशासनिक व्यवस्था
– सल्तनतकालीन अर्थव्यवस्था
– सल्तनतकालीन सिक्के
– सल्तनतकालीन संगीत व साहित्य

16. प्रान्तीय राज्यों का उदय 192-198
– प्रान्तीय राज्य
– जौनपुर
– मालवा
– गुजरात
– मेवाड़
– मारवाड़
– बंगाल
– उड़ीसा
– कश्मीर
– अहोम

17. विजयनगर और बहमनी साम्राज्य 199-210
– विजयनगर साम्राज्य
– संगम वंश के शासक
– सालुव वंश (1485-1505 ई.)
– तुलुव वंश (1505-1565 ई.)
– अराविडु वंश (1507-1652 ई.)
– विजयनगर की प्रशासन पद्धति
– बहमनी साम्राज्य
– बहमनी साम्राज्य का विभाजन

18. धार्मिक आन्दोलन का उदय भक्ति एवं सूफी आन्दोलन) 211-220
– सूफी आन्दोलन
– सूफी आन्दोलन के प्रमुख सिद्धान्त
– चिश्ती सिलसिला
– सुहरावर्दी सिलसिला
– कादिरी सिलसिला
– नक्शबन्दी सिलसिला
– भक्ति आन्दोलन
– मध्यकालीन सन्त
– महाराष्ट्र में धार्मिक आन्दोलन

19. मुगलकाल 221-245
– मुगलकालः राजवंश
– बाबर (1526-1530 ई.)
– हुमायूँ (1530-40, 1555-56 ई.)
– शेरशाह सूरी (1540-1545 ई.)
– अकबर (1556-1605 ई.)
– जहाँगीर (1605-1627 ई.)
– शाहजहाँ (1627-1658 ई.)
– औरंगजेब (1658-1707 ई.)

20. मुगल प्रशासन, आर्थिक एवं धार्मिक व्यवस्था 246-258
– मुगलकालीन प्रशासन
– केन्द्रीय शासन
– प्रान्तीय प्रशासन
– सरकार (जिले) का प्रशासन
– ग्राम प्रशासन
– मुगलकालीन अर्थव्यवस्था
– मुगलकालीन सामाजिक व्यवस्था
– मुगलकालीन साहित्य

21. मराठा साम्राज्य 259-268
– मराठा साम्राज्य के उदय के कारण
– शिवाजी
– शिवाजी के उत्तराधिकारी
– पेशवाओं के काल में मराठा शक्ति का उत्कर्ष
– मराठों के पतन के कारण

आधुनिक भारत एवं भारतीय राष्ट्रीय आन्दोलन

22. उत्तर मुगलकाल 269-273
– उत्तर मुगलकाल के शासक
– बहादुरशाह प्रथम या मुअज्जम (1707-1712 ई.)
– जहाँदारशाह (1712-1713 ई.)
– फर्रूखसियर (1713-1719 ई.)
– मुहम्मदशाह (1719-1748 ई.)
– अहमदशाह बहादुर (1748-1754 ई.)
– आलमगीर द्वितीय (1754-1759 ई.)
– शाहआलम द्वितीय (1759-1806 ई.)
– अकबर द्वितीय (1806-1837 ई.)
– बहादुरशाह द्वितीय (1827-1857 ई.)

23. क्षेत्रीय शक्तियों का उदय 274-282
– प्रान्तीय स्वायत्त राज्य
– बंगाल
– अवध
– हैदराबाद
– केरल
– भरतपुर (घाट)
– रूहेलखण्ड
– मैसूर

24. यूरोपीय शक्तियों का आगमन 283-291
– यूरोपीय कम्पनियों का भारत में आगमन
– पुर्तगाली (पुर्तगीज)
– डच
– अंग्रेज
– डेन (डेनिश)

– फ्रांसीसी

25. भारत में ब्रिटिश सत्ता की स्थापना 292-304
– आंग्ल–फ्रांसीसी संघर्ष
– आंग्ल–मैसूर संघर्ष
– आंग्ल–मराठा संघर्ष
– आंग्ल–सिख संघर्ष
– पड़ोसी राज्यों के संघर्ष
– आंग्ल–नेपाल युद्ध (गोरखा युद्ध)
– आंग्ल–बर्मा युद्ध
– आंग्ल–अफगान युद्ध
– आंग्ल–तिब्बत युद्ध
– ब्रिटिश विस्तर नीति

26. भारत में ब्रिटिश शासन का प्रशासनिक एवं आर्थिक प्रभाव 305-317
– प्रशासनिक नीतियाँ
– औपनिवेशिक आर्थिक नीतियाँ
– भारत में भू–राजस्व व्यवस्था
– कृषि का वाणिज्यीकरण
– आर्थिक नीतियों का प्रभाव
– धन का बहिर्गमन सिद्धान्त
– भारत में पूँजीवाद का विकास
– उद्योगों का विकास
– रेलवे का विकास

27. सामाजिक–धार्मिक सुधार आन्दोलन 318-329
– सामाजिक–धार्मिक सुधार आन्दोलन की प्रकृति
– सामाजिक–धार्मिक सुधार आन्दोलन के कारण
– सामाजिक–धार्मिक सुधार संस्थाएँ
– मुस्लिम धर्म सुधार आन्दोलन
– अन्य धर्म सुधार आन्दोलन
– दलित जातियों के आन्दोलन
– दक्षिण भारत में सुधार आन्दोलन

28. 1857 का विद्रोह 330-338
– 1857 के विद्रोह के कारण
– 1857 के विद्रोह का प्रारम्भ एवं क्षेत्र
– 1857 के विद्रोह के प्रमुख केन्द्र
– 1857 के विद्रोह की असफलता के कारण
– 1857 के विद्रोह के परिणाम

29. कृषक, श्रमिक और जनजातीय आन्दोलन 339-352
– किसान आन्दोलन
– भारत के श्रमिक आन्दोलन
– जन एवं जनजातीय आन्दोलन
– अन्य क्षेत्रीय विद्रोह

30. भारत में प्रेस एवं शिक्षा का विकास 353-364
– प्रेस तथा समाचार–पत्रों का विकास
– प्रमुख समाचार–पत्र अधिनियम
– भारत में शिक्षा का विकास
– आधुनिक पाश्चात्य शिक्षा का उद्भव
– शिक्षा का अधोमुखी निस्यन्दन सिद्धान्त
– शिक्षा से सम्बन्धित विभिन्न आयोग

31. भारतीय राष्ट्रीय आन्दोलनः प्रथम चरण (1885-1905) 365-374
– भारत में राष्ट्रवाद का उद्भव
– भारत में राष्ट्रवाद के उदय के कारण
– कांग्रेस से पूर्व की राजनीतिक संस्थाएँ
– कांग्रेस की स्थापना (1885 ई.)
– उदारवादी चरण (1885-1905)
– उदारवादियों की कार्य पद्धति

32. भारतीय राष्ट्रीय आन्दोलनः द्वितीय चरण (1905-1919) 375-385
– उग्रवादी चरण (वर्ष 1905-1919)
– उग्रवाद के उदय के कारण
– बंगाल विभाजन (वर्ष 1905)
– मुस्लिम लीग की स्थापना, 1906
– सूरत अधिवेशन, 1907
– दिल्ली दरबार, 1911
– क्रान्तिकारी आन्दोलन

33. भारतीय राष्ट्रीय आन्दोलनः तृतीय चरण (1919-1939) 386-405
– गाँधीवादी चरण
– महात्मा गाँधी का भारत आगमन
– गाँधीजी के प्रारम्भिक सत्याग्रह
– क्रान्तिकारी आन्दोलन का द्वितीय चरण

34. स्वतन्त्रता की ओर भारत (1940-1947) 406-415
– मुस्लिम लीग और पाकिस्तान की माँग
– व्यक्तिगत सत्याग्रह, 1940-41
– क्रिप्स मिशन, 1942
– भारत छोड़ो आन्दोलन, 1942
– वेवेल योजना, 1945
– अन्तरिम सरकार का गठन, 1946
– भारतीय स्वतन्त्रता अधिनियम, 1947

35. स्वतन्त्रता के पश्चात् भारत 416-423
– स्वतन्त्रता के पश्चात् भार के समक्ष
– रियासतों का एकीकरण
– भाषायी समस्या
– आर्थिक प्रगति की रूपरेखा
– बैंकिंग क्षेत्र में सुधार
– सामाजिक प्रगति की रूपरेखा
– विधायी सुधार कार्य
– प्रेस एवं शिक्षा की प्रगति
– अन्तर्राष्ट्रीय सम्बन्धों की रूपरेखा

36. गवर्नर, गवर्नर–जनरल एवं वायसराय 424-435
– बंगाल के गवर्नर
– लॉर्ड क्लाइव (1757-60 ई. से 1765-67 ई.)
– बंगाल के गवर्नर–जनरल
– भारत के गवर्नर–जनरल
– भारत के वायसराय